प्रेरणा
समय बहाकर ले जाता है
नाम और निशां
कोई 'हम' में रह जाता है
तो कोई 'अहम' में

सच कहने की ताकत
साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 09 DECEMBER TO 15 DECEMBER 2021 • VOLUME-21 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

हेलिकॉप्टर क्रैश में सीडीएस बिपिन रावत और पत्नी सहित 13 लोगों की मौत

'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के दिए आदेश

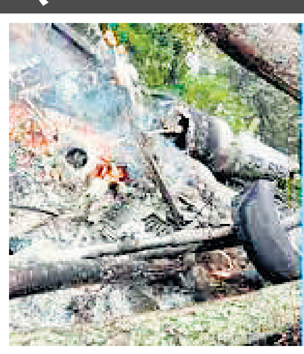

चेन्नई. तमिलनाडु के कुन्नूर के पास भारतीय वायुसेना का एमआई–17वी5 हेलिकॉप्टर बुधवार को दुर्घटना का शिकार हो गया। इस हेलिकॉप्टर हादसे में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका सहित 13 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका इलाज सैन्य अस्पताल में किया जा रहा है। वायुसेना ने कहा कि दुर्घटना की 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दे दिए गए हैं। भारतीय वायुसेना ने ट्वीट कर बताया कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत बुधवार को स्टाफ कोर्स के फैकल्टी और स्टूडेंट्स ऑफीसर्स को संबोधित करने के लिए डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन (नीलगिरी हिल्स) के दौरे पर थे। आज दोपहर के आसपास वायुसेना के एक एमआई–17वी5 हेलिकॉप्टर में चार क्रू मेंबर्स, सीडीएस और 9 अन्य यात्रियों सवार थे, जो कि तमिलनाडु के कुन्नूर के पास एक दुखद दुर्घटना का शिकार हो गए। वायुसेना ने कहा, 'गहरे अफसोस के साथ अब यह पता चला है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में जनरल बिपिन रावत, मधुलिका रावत और उसमें सवार 11 अन्य लोगों की मौत हो गई है।' वहीं, जीपी कैप्टन वरुण सिंह एससी का वेलिंगटन के सैन्य अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

इस हादसे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि तमिलनाडु में आज दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के कारण सीडीएस बिपिन रावत, उनकी पत्नी और सशस्त्र बलों के 11 जवानों के अचानक निधन पर काफी दुखी हूं। उनका असमय निधन सशस्त्र बलों और देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

बता दें कि टेलीविजन पर दिखाई जा रही फुटेज में, बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हेलिकॉप्टर से आग की लपटें उठती दिखीं। हेलिकॉप्टर के मानव बस्ती से दूर दुर्घटनाग्रस्त होने से एक बड़ी त्रासदी होने से हालांकि बच गई। दुर्घटनास्थल पर भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर के क्षतिग्रस्त और जले हुए टुकड़े बिखरे पड़े थे। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने तेज आवाज सुनी, जाहिर तौर पर हादसे की आवाज थी, और बाद में हेलिकॉप्टर में आग लगी, जिसमें उसमें सवार कुछ लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

मुख्यमंत्री द्वारा 20 करोड़ रुपए के विकास प्रोजेक्टों की शुरूआत

श्री आनंदपुर साहिब. पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आज नौवें सिख गुरू श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 346वें शहीदी दिवस को समर्पित 20 करोड़ रुपए की लागत वाले विकास प्रोजेक्टों का नींव पत्थर रखा। गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में हिंद दी चादर श्री गुरु तेग़ बहादुर जी को नतमस्तक होने के उपरांत विरासत–ए–खालसा के आडीटोरियम में एक सार्वजनिक रैली को संबोधन किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री चन्नी ने चार प्रोजेक्टों का डिजिटल तौर पर नींव पत्थर रखा जिनमें 1.5 करोड़ रुपए की लागत से श्री गुरु तेग़ बहादुर अजायब घर के आधुनिकीकरण और अपग्रेड करने, 10 करोड़ रुपए की लागत से 62 एकड़ के क्षेत्रफल में श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के नाम पर नेचर पार्क को विकसित किया जायेगा और इस पार्क में वह वृक्ष लगाऐ जाएंगे जिनका श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्र वाणी में जिक्र मिलता है, 4.16 करोड़ रुपए की लागत के साथ एक मेगावाट के सामर्थ्य वाला सोलर प्रोजैक्ट और 2.63 करोड़ रुपए की लागत के साथ भाई जैता जी यादगार के दूसरे पड़ाव का प्रोजैक्ट शामिल है।

मुख्यमंत्री चन्नी ने स्थानीय स्तर पर सामाजिक समागम करने के लिए स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए कम्युनिटी सैंटर के लिए 5करोड़ रुपए और नगर कौंसिल के अंदर फायर ब्रिगेड स्टेशन स्थापित करने का ऐलान किया।

भाई जैता जी के 'जन्म दिवस' पर गज़टिड छुट्टी

मुख्यमंत्री चन्नी ने कहा कि भाई जैता जी, श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के सबसे प्रिय सेवक थे, जिन्होंने समकालीन मुग़ल साम्राज्य के ज़ुल्मों के बावजूद सभी बाधाओं का सामना करते हुए श्री गुरु तेग़ बहादुर जी का शीश चाँदनी चौक, दिल्ली से श्री आनंदपुर साहिब लाया था। बाद में भाई जीवन सिंह जी ने भी मुगलों के साथ लड़ते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी। मुख्यमंत्री ने महान सिख शहीद भाई जैता जी के जन्म दिवस पर हरेक साल गज़टिड छुट्टी का ऐलान किया।

गुरबानी कीर्तन के सीधे प्रसारण के लिए सभी टीवी और रेडियो चैनलों को अधिकार देने की अपील

तलवंडी साबो. मुख्यमंत्री चन्नी ने आज श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी हरप्रीत सिंह से अपील की कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को श्री हरिमंदिर साहिब, अमृतसर से गुरबानी कीर्तन के सीधे प्रसारण के लिए सभी टीवी और रेडियो चैनलों को अधिकार देने के आदेश दिए जाएँ। तख्त श्री दमदमा साहिब में जत्थेदार साहिब को निजी तौर पर पत्र सौंपते हुए चन्नी ने कहा कि जैसे सिख संगत पाकिस्तान में रह गए पवित्र गुरूधामों के 'खुले दर्शन दीदारों' के लिए इच्छा रखती है, उसी तरह सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब से हर समय 'खुले प्रसारण' की भी हमेशा तीव्र इच्छा रही है।

सीईओ ने चुनाव संबंधी रिटर्निंग अधिकारियों के साथ की मीटिंग

चंडीगढ़. विधान सभा चुनाव–2022 के मद्देनज़र मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंजाब डॉ. एस.करुणा राजू ने राज्य के सभी रिटर्निंग अधिकारियों के साथ चुनाव की तैयारियों संबंधी आनलाइन मीटिंग की। उन्होंने समूह अधिकारियों को हिदायत की कि हरेक पोलिंग बूथ और भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों अनुसार किये जाने वाले प्रबंधों को यकीनी बनाएं। सभी पोलिंग स्टेशनों व बूथों के नाम आदि स्पष्ट रूप से पढ़े जाने चाहिए, शौचालयों की साफ़ सफ़ाई, पीने वाले पानी का प्रबंध उचित ढंग से करने को कहा। वोटर सूचियों संबंधी प्राप्त आवेदनों का तुरंत निपटारा करने का हुक्म देते हुये सी.ई.ओ. ने कहा कि जिन बूथों में पिछले चुनाव के दौरान वोट प्रतिशत कम था वहां स्वीप गतिविधियां की जाएं। ड्यूटी पर लगाए जा रहे अमले का कोविड टीकाकरण यकीनी बनाने के साथ–साथ कोविड के किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए भी तैयारी रखी जाये।

इमीग्रेशन सलाहकारों व आईलैटस सेंटरों के लिए जल्द बनेगी एसओपी

चंडीगढ़. पंजाब सरकार जल्द ही राज्य में इमीग्रेशन सलाहकारों और आईलैटस केन्द्रों के लिए विनियमित ढांचा तैयार करने के लिए विदेशों के इमीग्रेशन विभागों के सहयोग से एक मानक संचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पीज) का नक्शा तैयार करेगी। इस संबंधी फ़ैसला उप मुख्यमंत्री सुखजिन्दर सिंह रंधावा और तकनीकी शिक्षा और रोज़गार सृजन मंत्री राणा गुरजीत सिंह की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय मीटिंग के दौरान लिया गया। यह मीटिंग रोज़गार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण विभाग और गृह मामले विभाग, पंजाब की तरफ से सांझे तौर पर करवाई गई। मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये उप मुख्यमंत्री और तकनीकी शिक्षा मंत्री ने पंजाब में इमीग्रेशन सलाहकारों को विनियमित करने, फ़र्ज़ी विवाहों को रोकने और बायोमैट्रिक के लिए आगामी समय (अप्वाइंटमैंट) लेने में चल रही धाँधली जैसे मुद्दों को रोकने के लिए एस.ओ.पी बनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। आईलैटस टैस्ट करवाने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्था आईडीपी ऐजूकेशन लिमटिड के साथ तालमेल करके एक नीति भी तैयार की जायेगी।

क्या पूर्व सीएम अपने साथ हुए अपमान का बदला कांग्रेस से भाजपा के लिए विभीषण बनकर निभाएंगे

पंजाब में जोड़-तोड़ की राजनीति चरम पर, जनता को लुभाने वाले वायदों की लग रही झड़ी

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

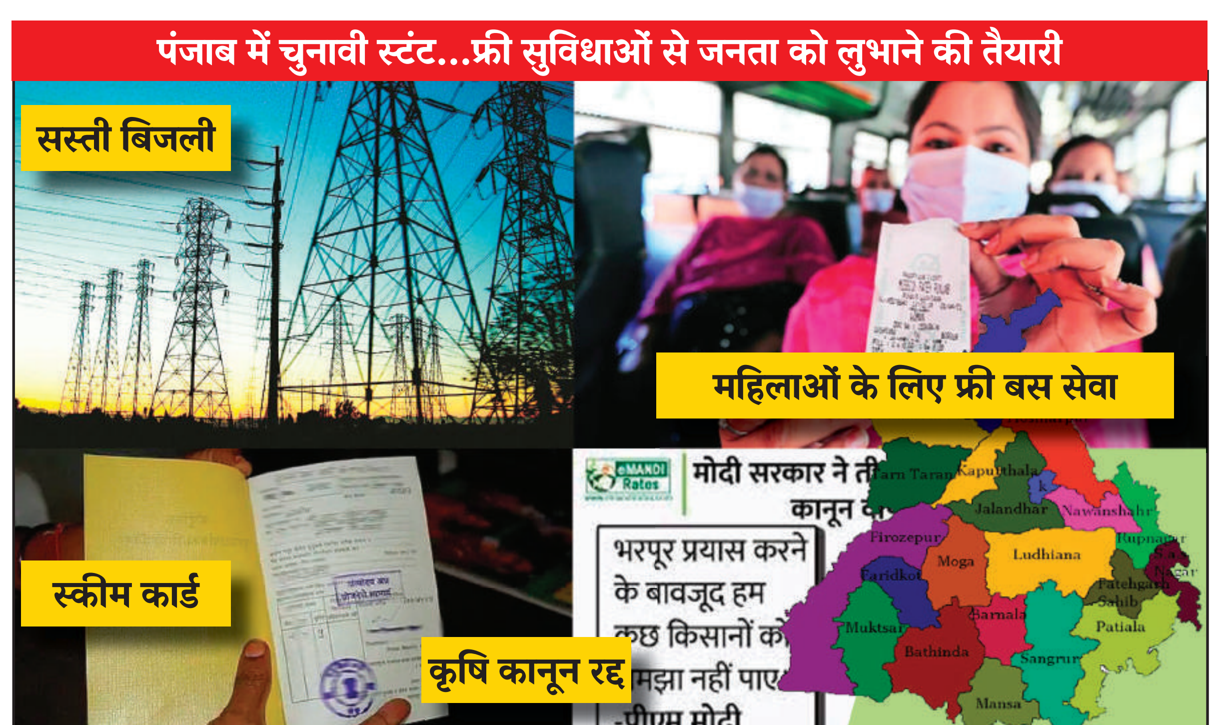

पंजाब में साल 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव को लेकर जहां पूरे प्रदेश के लोग उत्साहित दिख रहे हैं वहीं दूसरी तरफ अलग–अलग पार्टी के नेताओं की रातों की नींद उड़ी हुई हैं। प्रदेश में कार्य कर रही मौजूदा सरकार दोबारा से सत्ता हासिल करने के लिए कई तरह के वायदे कर रही है और मुख्यमंत्री चन्नी द्वारा लोगों से किए गए वायदे के साथ उसकी नोटीफिकेशन भी की जा रही है।

लेकिन इस बार कांग्रेस के विधायकों द्वारा पार्टी का टिकट हासिल करने के लिए दिल्ली–चंडीगढ़ बैठे अपने गॉड फादर के साथ अंदर खाते मीटिंगों का दौर शुरू हो चुका है। कांग्रेस को सबसे ज्यादा चुनौती पार्टी छोड़ कर अपनी नई पार्टी बना चुके पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से ही आने वाले दिनों में मिलने वाली है। क्योंकि कांग्रेस पार्टी द्वारा जिन विधायकों को टिकट नहीं दी जाएगी वह कांग्रेसी विधायक कैप्टन अमरिंदर सिंह का दामन थामेंगे।

जिक्रयोग्य है कि इस बार अकाली दल, बसपा के साथ गठजोड़ करके चुनावों में उतर रही है और अकाली दल द्वारा कई महीने पहले ही कई उम्मीदवार घोषित किए जा चुके हैं और जिन्हें टिकट नहीं दी वह पार्टी छोड़ के दूसरी पार्टी में जा चुके हैं या जाने वाले हैं।

दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान मनजिंदर सिंह सिरसा द्वारा अकाली दल को छोड़ भाजपा में जाना पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

बीजेपी द्वारा जबसे तीनों कृषि कानूनी बिल को संसद के दोनों सदनों में रद्द किया गया है तबसे दूसरी पार्टियों के नेता बीजेपी से जुड़ कर अपनी टिकट की दावेदारी पेश करते दिख रहे हैं।

बता दें कि इस बार संयुक्त अकाली दल द्वारा भी एक अलग से पार्टी बनाई गई है जिसमें संयुक्त अकाली दल को मजबूत करने के लिए कई वरिष्ठ अकाली नेता एकत्रित हुए हैं।

गौरतलब है कि साल 2017 में जहां आम आदमी पार्टी द्वारा अपनी सरकार बनानी तय मानी जा रही थी लेकिन पिछली बार पार्टी ने मुख्यमंत्री का नाम घोषित नहीं किया था जिस कारण इन्हें हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इस बार पार्टी बड़ी मजबूती से नेशनल प्रेजीडेंट अरविन्द केजरीवाल लोगों को आ रही समस्याओं को ध्यान में रखकर पंजाब में सरकार बनाने के लिए खुद सक्रिय होकर व्यापारियों और लोगों से मिल रहे हैं।

जोड़–तोड़ के इस समीकरण को देखते हुए हर एक पार्टी के अंदर खलबली मची हुई है और अंदरखाते नेता कुर्सी मिलने या बचाने के लिए पार्टियां बदलने में लगे हुए हैं और भावी पार्टियों द्वारा पंजाब में एक से बढ़कर एक लोक लुभावन वायदों की झड़ी लगा दी है।

अब आने वाला समय ही बताएगा कि पंजाब की सत्ता में पिछले साढ़े 4 साल से भी ज्यादा समय से काबिज रहे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह अपने साथ हुए अपमान का बदला कांग्रेस से भाजपा के लिए विभीषण बनकर निभाएंगे। ऐसे में देखते हैं कि पंजाब की जनता कितनी समझदार है और पंजाब का बागडोर किसको सौंपती है।

जींस में क्यों लगी होती है यह जेब? इसका इस्तेमाल सिक्का रखने के लिए नहीं किया जाता, वजह चौंकाने वाली है

क्रिस्टल क्लियर

जींस पहनते समय आपने गौर किया होगा कि सामने की तरफ एक छोटी सी जेब होती है. ज्यादातर लोग इस जेब का इस्तेमाल नहीं करते हैं, जींस में यह जेब क्यों दी जाती है और इसकी शुरुआत कैसे हुई? जानिए इसकी वजह...

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

जींस पहनते समय आपने गौर किया होगा कि सामने की तरफ एक छोटी सी जेब होती है। ज्यादातर लोग इस जेब का इस्तेमाल नहीं करते हैं। फिर भी इसे क्यों बनाया जा रहा है, यह सवाल पूछने पर ज्यादातर लोग कहते हैं, इसे सिक्के रखने के लिए बनाया जाता है, लेकिन यह जवाब गलत है। छोटी जेब को सिक्के रखने के लिए नहीं बनाया गया है। इसकी वजह दूसरी है।

जींस में इस छोटी पॉकेट की शुरुआत क्यों हुई, इसे क्या कहते हैं और जब इस्तेमाल ही नहीं करते तो क्यों जींस में दी जाती है, जानिए इन सवालों के जवाब...

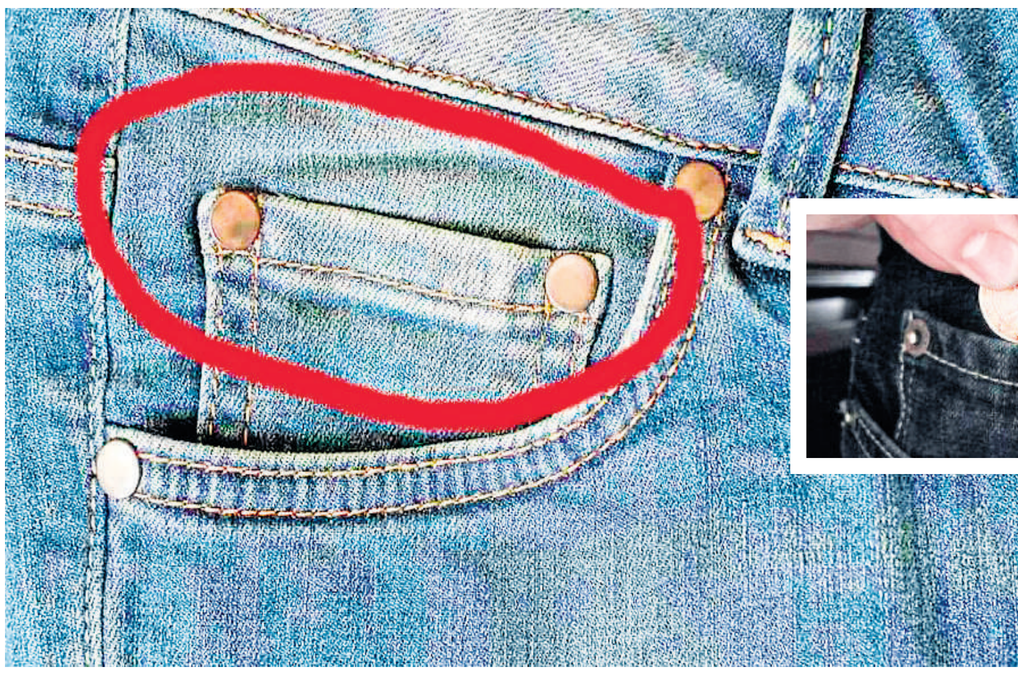

ऐसे हुई थी इसकी शुरुआत

इस छोटी पॉकेट को बनाने की शुरुआत सबसे पहले मशहूर जींस ब्रांड ने लेवी स्ट्रॉस ने की थी। जिसे अब लिवाइस के नाम से जाना जाता है। टेक्सटाइल विशेषज्ञों का कहना है, आधिकारिकतौर पर इस पॉकेट को 'वॉच पॉकेट' कहा गया है। इसका इस्तेमाल चेन वाली घड़ी रखने के लिए किया जाता था। काउब्वॉयज इस पॉकेट में घड़ी रखते थे और इसी से समय का पता लगाते थे। बड़ा सवाल है कि जब जींस नहीं थी जब घड़ी को कहां रखा जाता था। इसका भी जवाब जान लीजिए।

ऐसे पड़ा था नाम 'वॉच पॉकेट'

टेक्सटाइल विशेषज्ञों का कहना है, जींस के चलन में आने से भी पहले भी स्मार्ट वॉच का इस्तेमाल किया जाता था। 18वीं शताब्दी में काउब्वॉयज चेन वाली घड़ियों को अपनी वेस्टकोट में रखते थे। जब जींस चलन में आनी शुरू हुई तो कंपनी ने खासतौर पर इस घड़ी के लिए एक पॉकेट बनवाई, इसे ही वॉच पॉकेट का नाम दिया गया। टूट-फूट से बचाने के लिए इस पॉकेट में घड़ी को रखने का चलन शुरू हुआ। इस पॉकेट का इस्तेमाल बढ़ई से लेकर माइनिंग तक में काम करने वाले कर्मचारी तक करते थे।

इसे पांचवी पॉकेट कहना होगा गलत : लिवाइस की इतिहासविद् ट्रेसी पेनेक कहती हैं, शुरुआती दौर में यह वॉच पॉकेट जींस के एक फीचर के तौर पर पेश की गई थी। इसे पांचवी पॉकेट कहा गया, लेकिन इसके इतिहास पर नजर डालेंगे तो ऐसा नहीं है। यह पहली पॉकेट थी, इसके बाद जींस में दो आगे और दो पीछे जेबें जोड़ी गईं। इस तरह पांचवी पॉकेट जींस के पिछले हिस्से को कहा जाना चाहिए, लेकिन वॉच पॉकेट को ही पांचवी पॉकेट कहा गया। इस वॉच पॉकेट को काफी पसंद भी किया गया। यही कारण है कि जींस बनाने वाली दूसरी कंपनियों ने भी इसे देना शुरू किया। हालांकि चेन वॉच रखने का ट्रेंड खत्म होने लगा क्योंकि लोगों के हाथों में मोबाइल पहुंचने लगे। इसलिए इस जेब का इस्तेमाल धीरे-धीरे कम होता गया। हालांकि लोगों ने इसका दूसरा इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। इससे सिक्कों को रखना शुरू कर दिया। नतीजा, कंपनियों ने कभी भी इसे लगाना बंद नहीं किया।

सर्दी की छुट्टियों में उत्तर भारत में इन जगहों पर उठाएं बर्फबारी का लुत्फ

सर्दियों में आप ऐसी कई जगहों पर जाने का प्लान बना सकते हैं जहां बर्फबारी होती है। दिसंबर-जनवरी की छुट्टियों में आप उत्तर भारत की इन जगहों पर ले सकते हैं बर्फबारी का आनंद।

सर्दियों का मौसम आ गया है। बर्फ के सुंदर दृश्यों को देखने और अनोखे अनुभव के लिए लोग कई ऐसी जगहों पर जाने का प्लान बनाते हैं, जहां बर्फबारी होती है।

गर्म चाय की चुस्की लेते हुए आप न केवल सुंदर बर्फ से ढके पहाड़ों की प्रशंसा कर सकते हैं बल्कि बर्फ से खेल भी सकते हैं। दिसंबर या जनवरी की छुट्टियों में आप उत्तर भारत में कई जहगों पर बर्फबारी देखने का लुत्फ उठा सकते हैं।

उत्तर भारत में इन जगहों पर उठाएं बर्फबारी का लुत्फ

गुलमर्ग : गुलमर्ग एक बर्फीला स्वर्ग और सर्दियों का वंडरलैंड है। यहां लुभावने दृश्य और सभी के लिए कुछ न कुछ है। हालांकि, दिसंबर और जनवरी में बर्फबारी के साथ ये जगह पूरी तरह से शानदार हो जाती है। बर्फ से ढके पहाड़, पहाड़ी के ऊपर छोटे स्की रिसॉर्ट और सुखद सर्दियों की हवा सभी इस हिल स्टेशन के आकर्षण बन जाते हैं। इन सबका अपना-अपना आकर्षण है जो गुलमर्ग की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है।

मनाली : मनाली में नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में मौसम की पहली बर्फबारी होती है। ये शहर को सफेद बर्फ की एक प्यारी सी चादर से ढक देती है। ये शहर लुभावने नजारे प्रदान करता है जो बहुत ही खूबसूरत होते हैं।

औली : औली उत्तराखंड का एक विंटर वंडरलैंड है। इसके लुभावने नजारे आप कभी नहीं भूल पाएंगे। इस शानदार शहर का रास्ता ओक के पेड़ों और जंगलों से भरा हुआ है। जैसे ही आप हिल स्टेशन के करीब पहुंचेंगे, आपको पूरे क्षेत्र में एक सुंदर सफेद बर्फ की चादर बिछी हुई दिखाई देगी।

औली की यात्रा के लिए दिसंबर के अंत और जनवरी की शुरुआत के महीने अच्छे हैं। क्योंकि इस दौरान बर्फबारी की संभावना अधिक होती है। बर्फ की मस्ती के लिए आपको इस जगह की यात्रा जरूर करनी चाहिए।

धनोल्टी : टिहरी जिले का एक हिल स्टेशन धनोल्टी, गढ़वाल हिमालयी रेंज की तलहटी में स्थित है। धनोल्टी में आप बर्फ से ढके इलाकों में स्कीइंग करने जा सकते हैं। शहर में रोडोडेंड्रोन, देवदार के पेड़ और विशाल ओक के जंगल हर प्रकृति प्रेमी को लुभाएंगे। दिसंबर से फरवरी के बीच आप धनोल्टी की यात्रा कर सकते हैं। दिसंबर में धनोल्टी में मौसम सुहावना होता है, इस दौरान मौसम की पहली बर्फबारी की अच्छी संभावना होती है।

अल्मोड़ा : उत्तराखंड में अल्मोड़ा का हिल स्टेशन बर्फ से ढके हिमालय का सुंदर दृश्य प्रदान करता है। अल्मोड़ा देवदार और पुराने ओक के पेड़ों से घिरा हुआ है और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के लिए जाना जाता है। यहां सर्दियों के दौरान मौसम काफी ठंडा होता है, तापमान -3 डिग्री सेल्सियस तक कम होता है। यहां दिसंबर के अंतिम सप्ताह में और जनवरी के महीने में बर्फबारी होने की संभावना होती है।

'ड्रैगन' को टक्कर देगा यूरोपियन यूनियन, 'बेल्ट एंड रोड स्ट्रेटजी' की ढूंढी काट! बनाया 300 बिलियन यूरो का 'प्लान'

चीन की कॉस्को कंपनी पीरियस में विशाल ग्रीक कंटेनर बंदरगाह के दो-तिहाई हिस्से की मालिक है और चाइना रोड एंड ब्रिज कॉर्पोरेशन ने क्रोएशिया में एक महत्वपूर्ण पुल का निर्माण किया है।

यूरोपियन यूनियन ने 300 बिलियन यूरो वैश्विक निवेश योजना के विवरण का खुलासा किया है। इसे चीन की बेल्ट एंड रोड स्ट्रेटजी के लिए सच्चा विकल्प के रूप में बताया गया है। यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि ग्लोबल गेटवे योजना एक विश्वसनीय ब्रांड बनना चाहिए। चीन ने रेल, सड़कों और बंदरगाहों के लिए फंडिंग की है। लेकिन चीन ने इसके जरिए कुछ देशों को कर्ज के जाल में बुरी तरह फंसा दिया है।

कमीशन के प्रमुख ने कहा कि टिकाऊ परियोजनाओं को डिजाइन करने के लिए देशों को विश्वसनीय भागीदारों की आवश्यकता होती है। यूरोपियन यूनियन ये देख रहा है कि वह सदस्य देशों, वित्तीय संस्थानों और निजी क्षेत्र से प्राप्त अरबों यूरो का लाभ कैसे उठा सकता है। ये मोटे तौर पर अनुदान के बजाय गारंटी या कर्ज का रूप लेगा। वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोपियन यूनियन ये दिखाना चाहता है कि एक अलग, लोकतांत्रिक दृष्टिकोण उन परियोजनाओं पर काम कर सकता है जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के साथ-साथ वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा और विकासशील देशों के लिए सतत विकास पर केंद्रित हैं।

बंदरगाह की मालिक बनी चीनी कंपनी : परियोजनाओं को हाई क्वालिटी वाला होना चाहिए, जिसमें उच्च स्तर की पारदर्शिता और सुशासन होगा। यूरोपियन यूनियन के एक अधिकारी ने बीबीसी को बताया कि इस योजना का मुख्य केंद्र अफ्रीका होगा। चीन की रणनीति अफ्रीका, एशिया, हिंद-प्रशांत और यूरोपियन यूनियन में भी पहुंच गई है। चीन की कॉस्को कंपनी पीरियस में विशाल ग्रीक कंटेनर बंदरगाह के दो-तिहाई हिस्से की मालिक है और चाइना रोड एंड ब्रिज कॉर्पोरेशन ने क्रोएशिया में एक महत्वपूर्ण पुल का निर्माण किया है।

चीन ने यूरोपियन यूनियन के प्लान पर कही ये बात : पिछले महीने एक ब्रीफिंग में, यूरोपियन यूनियन में चीन के राजदूत झांग मिंग ने कहा कि बीजिंग यूरोपियन यूनियन की ग्लोबल गेटवे रणनीति का स्वागत करता है, अगर ये खुला और विकासशील देशों की मदद करने वाला है। लेकिन उन्होंने ये चेतावनी भी दी कि बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं को भू-राजनीतिक उपकरण में बदलने का कोई भी प्रयास अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपेक्षाओं को विफल कर देगा और अपने स्वयं के हितों को नुकसान पहुंचाएगा। बेल्ट एंड रोड चीन की विदेश नीति का केंद्र बिंदु रहा है। लेकिन चीन ने इसके जरिए छोटे और गरीब मुल्कों को कर्ज जाल में फंसा दिया है।

गुरुग्राम के 'किंगडम ऑफ ड्रीम्स' घूमने का बनाएं प्लान, जमकर करें मस्ती

दिल्ली एनसीआर में टूरिस्ट्स के लिए कई अट्रैक्शन हैं, लेकिन किंगडम ऑफ ड्रीम्स गुड़गांव जैसा कुछ भी नहीं है। जैसा कि नाम से पता चलता है, ये हर अट्रैक्टिव सपने का घर है जिसका कोई सपना देख सकता है।

हरियाणा राज्य के गुरुग्राम में स्थित, किंगडम ऑफ ड्रीम्स का उद्घाटन वर्ष 2010 में हुआ था, और टूरिस्ट्स को अट्रैक्ट करना जारी रखा है। लेकिन हकीकत में किंगडम ऑफ ड्रीम्स क्या है?

जमीन के एक वाइड एरिया की कमान, किंगडम ऑफ ड्रीम्स एक ऐसा डेस्टिनेशन है जहां आप एक पूरा दिन बिता सकते हैं और ये सब कवर करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। यहां सभी के लिए कुछ न कुछ है, और ये बच्चों के लिए एक शानदार जगह है।

किंगडम ऑफ ड्रीम्स अद्भुत लाइव मनोरंजन, हॉलीडे और रंगमंच का घर है। कार्निवल, त्योहारों, संगीत प्रदर्शनों और बहुत कुछ के लिए घर, डेस्टिनेशन एक बेहतरीन जगह है जो आपको मोहित कर लेगी।

यहां कई तरह के मनोरंजन के लिए अलग सेक्शन अलॉट किए गए हैं, ताकि आप अपना सेलेक्शन कर सकें और उन्हें एक्सप्लोर कर सकें।

आपको नौटंकी महल की जर्नी जरूर करनी चाहिए, जिसमें 864 लोग बैठते हैं, और ये एक भव्य महल जैसा कंसट्रक्शन है जहां आप घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह की अद्भुत प्रस्तुतियां देख सकते हैं।

जावेद अख्तर, शंकर-एहसान-लॉय जैसे नामों के साथ, और प्रोजेक्ट में शामिल दूसरे लोगों के साथ, बॉलीवुड संगीत जंगूर का मंचन यहां किया गया है। यहां मंचित एक दूसरा महत्वपूर्ण प्रोडक्शन झुमरू है, जो किशोर कुमार को एक श्रद्धांजलि है।

350 सीटों वाला एम्फीथिएटर, शोशा थिएटर किंगडम ऑफ ड्रीम्स गुड़गांव के भीतर एक और मनोरंजन वाली जगह है। यहां प्रस्तुतियां मुख्य रूप से भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित हैं, और देखने लायक हैं।

यहां की एक और बहुत ही दिलचस्प जगह है कल्चर गली, और जैसा कि नाम से पता चलता है कि ये कल्चरल ट्रीट के लिए आपका वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है। ये जगह थीम वाले रेस्टोरेंट का घर है। विजिटर्स को देश भर के 14 राज्यों से लाइव किचन का अनुभव मिलेगा।

इतना ही नहीं, आपको लोक नृत्य और गीत जैसे सांस्कृतिक प्रदर्शनों के साथ-साथ कई भारतीय राज्यों की कला और शिल्प के बारे में भी जानने को मिलेगा।

यहां मेहमानों के लिए ड्राई मसाज का भी प्रावधान है, इसलिए मूल रूप से आपके पास मनोरंजन की दुनिया है, और लीजर एक्टिविटीज सभी एक ही जगह पर हैं।

द कल्चर गली में IIFA बज लाउंज भी शामिल है, जो एक बॉलीवुड-थीम वाला रेस्टो-बार है। यहां आप फिल्म की वेशभूषा और पोस्टर के अलावा बॉलीवुड की यादगार चीजें और यहां तक कि आईफा अवॉर्ड ट्राफियां भी देख सकते हैं।

किंगडम ऑफ ड्रीम्स का सबसे अच्छा दौरा दोस्तों और परिवार के साथ किया जाता है, और आप वर्ल्ड लेवल एंटरटेनमेंट में शामिल होने में लंबा समय बिता सकते हैं।

ये जगह गुरुग्राम में लीजर वैली के करीब स्थित है, और दिल्ली के करीब है। ये पब्लिक ट्रांसपोर्ट से बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है, और भारतीय संस्कृति और मनोरंजन का अनुभव करने के लिए एक शानदार जगह है।

इस डेस्टिनेशन तक पहुंचने के लिए आप मेट्रो रेलवे ले सकते हैं। नजदीकी मेट्रो स्टेशन इफको चौक है, जो येलो लाइन में पड़ता है। इफको चौक से रोड से सिर्फ 2 मिनट की दूरी पर है।

किंगडम ऑफ ड्रीम्स गुरुग्राम तक 212CU बस से भी पहुंचा जा सकता है, जो कि गुरुग्राम सिटी बस है। इसके अलावा, आपके पास दिल्ली में कहीं से भी अंतरराज्यीय टैक्स सेवा है।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना: हर दिन 2 रुपए की बचत देगी सुनहरा भविष्य, हर साल पाएं 36000 रुपए

आज हर कोई अपने रिटायरमेंट को लेकर परेशान है। लोग अपनी नौकरी की शुरुआत से सेवानिवृत्ति योजनाओं के बारे में सोचने लगते हैं, ताकि बुढ़ापे में किसी पर निर्भर न रहना पड़े। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत पेंशन की सुविधा प्रदान कर रही है। इस स्कीम में हर दिन 2 रुपए से कम निवेश कर सालाना 36 हजार रुपए पा सकते हैं। आइए जानते हैं इस योजना के बारे में।

कौन हैं इस योजना के पात्र

इस योजना में 18 से 40 वर्ष की आयु का व्यक्ति शामिल हो सकता है। लाभार्थी की मासिक आय 15 हजार रुपए से कम होनी चाहिए। वह ईपीएफओ और एनपीएस के तहत कवर नहीं होना चाहिए। आवेदक के पास बैंक खाता होना जरूरी है। इस स्कीम में आवेदन करने के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ती है।

कितना देना होगा प्रीमियम

इस योजना में आयु के हिसाब से प्रीमियम देना होता है। अगर कोई 18 साल की उम्र में इस योजना से जुड़ता है। उसे प्रति महीने 55 रुपए जमा करने होंगे। इसका मतलब है कि लाभार्थी को निवेश के लिए प्रति दिन 2 रुपए से कम का भुगतान करना होगा। इस तरह 25 साल वालों को यह राशि 80 रुपए और 40 वर्ष की आयु वालों को 200 रुपए का योगदान देना होगा। यह रकम व्यक्ति को 60 वर्ष के होने तक जमा करनी होगी।

कैसे करें अप्लाई

1. सबसे पहले प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना की वेबसाइट https://maandhan.in/ पर जाएं।
2. होम पेज पर हियर टू अप्लाई नाउ लिंक पर क्लिक करें।
3. अब सेल्फ एनरोलमेंट पर क्लिक करें।
4. अपना मोबाइल नंबर दर्ज करें और Next पर क्लिक करें।
5. आवेदक अपना नाम, ईमेल आईडी आदि मांगी जानकारी दर्ज करें।
6. कैप्चा कोड टाइप करें और मोबाइल पर आए ओटीपी को दर्ज कर सबमिट करें।

कंगाली का ऐसा आलम कि चोरों ने मोहम्मद अली जिन्ना को भी नहीं बख्शा, चुराया पाकिस्तान के फाउंडर का चश्मा

ये पहला मामला नहीं है, जब पाकिस्तान के संस्थापक की मूर्ति के साथ इस तरह की घटना सामने आई है। इससे पहले, बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर में जिन्ना की मूर्ति को बम धमाके से उड़ा दिया गया था।

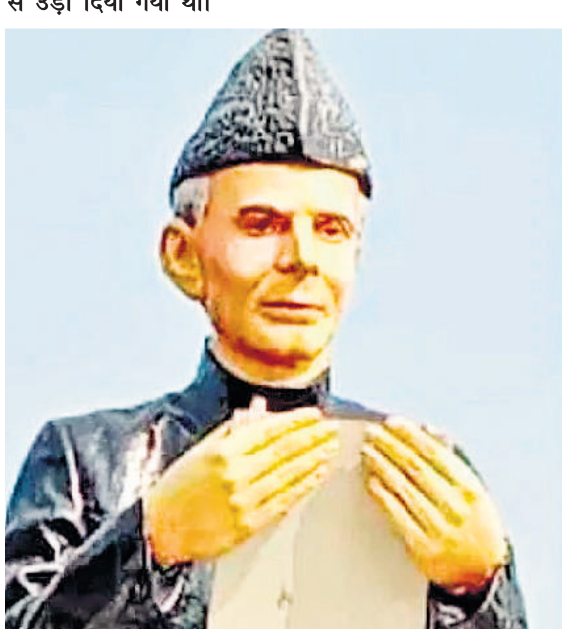

पाकिस्तान में कंगाली का आलम ये है कि अब चोरों ने देश के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना को भी नहीं बख्शा है। अराई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, डिप्टी कमिश्नर वेहारी के कार्यालय के अंदर लगाए गए पाकिस्तान के कायदे आजम मोहम्मद अली जिन्ना की मूर्ति से चोरों ने चश्मा चुरा लिया है। चोरी की ये घटना चार दिसंबर को अंजाम दी गई, जब कुछ अज्ञात चोर डिप्टी कमिश्नर के परिसर में चोरी-छिपे घुसे। इसके बाद मौका लगते ही कायदे आजम की मूर्ति से चश्मा ले उड़े।

पुलिस का कहना है कि चश्मा चुराने वाले चोरों की तलाश की जा रही है। इस घटना की जानकारी तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गई। इसके बाद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री उस्मान बुजदर ने घटना का संज्ञान लिया और मुल्तान कमिश्नर से रिपोर्ट तलब की। उस्मान बुजदर इस घटना से खासा नाराज दिखाई दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घटना में शामिल दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। उस्मान बुजदार ने जिला प्रशासन को जिन्ना की मूर्ति पर लगे चश्मे ो फिर से लगाने का भी आदेश दिया।

सितंबर में जिन्ना की मूर्ति को बम से उड़ाया : ये पहला मामला नहीं है, जब पाकिस्तान के संस्थापक की मूर्ति के साथ इस तरह की घटना सामने आई है। इससे पहले, सितंबर के आखिर में पड़ोसी मुल्क के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर में जिन्ना की मूर्ति को बम धमाके से उड़ा दिया गया था। इस घटना को बलोच आतंकियों ने अंजाम दिया था। यहां गौर करने वाली बात ये है कि जिन्ना की मूर्ति ग्वादर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले मरीन ड्राइव पर स्थापित की गई थी। इस मूर्ति को जून में लगाया गया था और इसे सितंबर में विस्फोटकों से उड़ा दिया गया था।

2013 में जिन्ना द्वारा इस्तेमाल की गई इमारत में लगाई आग : वहीं, पाकिस्तान द्वारा प्रतिबंधित किए गए आतंकवादी संगठन बलोच रिपब्लिकन आर्मी ने मूर्ति को बम से उड़ाने की जिम्मेदारी ली थी। बलोच रिपब्लिकन आर्मी के प्रवक्ता बबगर बलोच ने ट्विटर पर धमाके की बात को स्वीकार किया। वहीं, 2013 में बलूच आतंकियों ने जियारत में जिन्ना द्वारा इस्तेमाल की गई एक 121 साल पुरानी इमारत को विस्फोटकों से उड़ा दिया था। इस वजह से वहां आग लग गई, जो चार घंटे तक धधकती रही। इस वजह से फर्नीचर और यादगार वस्तुएं जलकर खाक हो गई थीं।

चीन से लेकर ईरान तक... सब दिखा रहे तेवर

क्या जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद 'कमजोर' हुआ अमेरिका?

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को पदभार संभाले एक साल का वक्त पूरा होने वाला है। उनके राष्ट्रपति बनने के बाद दुनिया में काफी बदलाव देखा गया है।

जो बाइडेन के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने से पहले ना केवल अमेरिका बल्कि दुनियाभर के लोगों को उनसे कई तरह की उम्मीदें थीं। वो उस देश के राष्ट्रपति बनने जा रहे थे, जो दुनिया की सुपर पावर कहलाता है। अब उन्हें इस पद पर बैठे एक साल का वक्त पूरा होने वाला है। लेकिन उनसे जो उम्मीदें लगाई गई थीं, उनमें से कितनी पूरी हुईं? इस मसले पर ज्यादातर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। चाहे ईरान की बात हो या फिर चीन की, जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद दुनिया पहले से ज्यादा खतरनाक हो गई है और अमेरिका भी कमजोर नजर आ रहा है। लेकिन कैसे?

इसके पीछे कई वजहें हैं, जो ये बात साबित भी करती हैं। रूस इस लिस्ट में सबसे आगे है। उसने नाटो और अमेरिका सहित पश्चिमी देशों की चेतावनी को दरकिनार करते हुए यूक्रेन से लगने वाली अपनी सीमा पर एक लाख सैनिकों की तैनाती कर दी है। ऐसी संभावना है कि रूस अगले महीने यूक्रेन पर हमला कर उसपर कब्जा कर सकता है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दावा करते हुए कहा है, नाटो के 'सैन्य बुनियादी ढांचे को गैर-जिम्मेदार तरीके से रूस की सीमा के करीब लाया जा रहा है और यूरोप में नए हथियार 'सैन्य टकराव के बुरे सपने' का कारण बन सकते हैं।

विदेश मंत्री ब्लिंकन ने क्या कहा?

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने आरोप लगाया कि मॉस्को की योजना में 'देश को भीतर से अस्थिर करना और बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाने' का प्रयास करना शामिल है। इस तरह के हमले का उस क्षेत्र के बाहर भी असर हो सकता है। ब्लिंकन ने लावरोव को 'गंभीर परिणाम' भुगतने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर रूस यूक्रेन पर आक्रमण करता है, तो उसे इसके लिए भुगतान करना होगा। ऐसी उम्मीद है कि इस मामले में अमेरिका ने जो कुछ कहा है, उसमें शायद अभी देर नहीं हुई है।

ताइवान को परेशान कर रहा चीन

अब आते हैं चीन पर। चीन ताइवान को परेशान करने के लिए कई कदम आगे बढ़ चुका है। वो बार-बार इस देश के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ के लिए अपने लड़ाकू विमान भेज रहा है। जिससे इस बात का खतरा बढ़ गया है कि वह इस देश को अपने कब्जे में ले सकता है। हाल ही में चीन ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया था, जिसने पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय) को भी सकते में डाल दिया।

दोगुनी सैटेलाइट भेज रहा चीन : इसके अलावा चीन लगातार अंतरिक्ष में सैटेलाइट भेज रहा है, जिनकी संख्या अमेरिकी सैटेलाइट से लगभग दोगुनी है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में स्पेस फोर्स के जनरल डेविड थॉम्पसन के हवाले से बताया गया है, चीन और रूस दोनों ही नियमित रूप से लेजर, रेडियो-फ्रीक्वेंसी जैमर और साइबर हमले के साथ अमेरिकी सैटेलाइट्स को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह एक तरह से 'युद्ध का कार्य' है।

ईरान भी खतरे के तौर पर उभर रहा : एक और देश इस वक्त खतरे के तौर पर उभर रहा है, नाम है ईरान। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में साल 2015 में विश्व शक्तियों ने ईरान के साथ एक परमाणु समझौता (Iran Nuclear Deal) किया था। जिसमें कहा गया है कि ईरान अगर इसकी शर्तों का पालन करता है, तो उसपर लगे प्रतिबंधों को हटा दिया जाएगा। अमेरिका 2018 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में इस समझौते से अलग हो गया था। जिसके बाद ईरान ने भी समझौते की शर्तों पर उल्लंघन करना शुरू कर दिया। अब इस मसले पर जल्द ही ऑस्ट्रिया के वियना में बातचीत होने जा रही है।

परमाणु समझौते पर तेवर दिखा रहा ईरान : ईरान के तेवर देखकर ऐसा लग नहीं रहा कि वो समझौते में रखी गई शर्तों को मानेगा। अगर वो समझौते को मानने के लिए राजी नहीं होता, तो उसके लिए परमाणु हथियार हासिल करने का रास्ता साफ हो जाएगा। ईरान परमाणु क्षमता की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे ऐसी संभावना है कि इस क्षेत्र में युद्ध भड़क सकता है। इजरायल हमेशा से ही ईरान परमाणु समझौते का विरोधी रहा है। उसका कहना है कि ईरान परमाणु समझौते को लेकर दुनिया को ब्लैकमेल कर रहा है। इजरायल के राष्ट्रपति नफ्ताली बेनेट का कहना है कि ये समझौता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से नहीं रोक पाएगा।

अफगानिस्तान मामले ने छवि कमजोर की : अमेरिका के राष्ट्रपति की पूरी दुनिया में काफी मजबूत छवि रहती है। लेकिन यही छवि उस वक्त कमजोर दिखाई दी, जब अफगानिस्तान में बिना राजनीतिक हल निकाले अमेरिकी सैनिकों की वापसी करा ली गई। अमेरिका ने जिस तरह यहां से अपने सैनिक बुलाए, वह दुनिया के सामने काफी कमजोर दिखाई दिया। इतना तक कहा गया कि अमेरिका तालिबान से हार गया है। बाइडेन अमेरिका के दुश्मन देशों के आगे कमजोर नजर आ रहे हैं। वह देश के कई आंतरिक मामलों का भी ठीक से प्रबंधन नहीं कर सके।

रूस की परियोजना पर रोक नहीं : जो बाइडेन या उनकी टीम के किसी भी सदस्य ने रूस और चीन की गतिविधियों का ठोस जवाब नहीं दिया है। बल्कि बाइडेन प्रशासन इसके विपरीत काम कर रहा है। रूस जहां यूक्रेन पर कब्जा करने की कोशिश में है, वहीं यूरोप पर अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन पर भी काम कर रहा है। बाइडेन प्रशासन को जहां इस परियोजना को रोकने के लिए काम करना चाहिए, वहीं वो इसके खिलाफ लाए जा रहे अमेरिकी कांग्रेस के विधेयक को रोकने की कोशिश कर रहा है।

इस कानून को भी रोक रही सरकार : अमेरिकी सरकार उस कानून को भी लाने के पक्ष में नहीं है, जिसके तहत चीन के उस सामान के निर्यात पर लोक लगाई जाएगी, जिसे उइगरों का उत्पीड़न करके तैयार किया गया है। बाइडेन और उनकी टीम बेशक ऐसा मानती है कि कड़ी प्रतिक्रिया के कारण संघर्ष हो सकता है। लेकिन उन्हें ये भी जानना जरूरी है कि कुछ ना कहना भी उन्हें कमजोर दिखाता है और ऐसा करना संघर्ष को रोकने की गारंटी नहीं देता है।

बच्चे सबसे अच्छे, लेकिन उन बच्चों का बचपन उतना अच्छा भी नहीं, जितना हमें लगता है

दुनिया में कोई माता-पिता न अपने बच्चों का बुरा करना चाहते हैं, न उन्हें नुकसान पहुंचाना और न ही उन्हें किसी तरह की शारीरिक और मानसिक क्षति देना, लेकिन फिर भी दुनिया में 70 फीसदी से ज्यादा वयस्क अपने बचपन में किसी न किसी रूप में चाइल्डहुड ट्रॉमा के शिकार रह चुके हैं। यह कहना है अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट एसोसिएशन का।

"चाइल्ड साइकॉलजी ऑफ अर्ली ट्रॉमा" के मुताबिक अकेले अमेरिका में 43 फीसदी वयस्क चाइल्डहुड अटैचमेंट डिसऑर्डर के शिकार हैं, जिसका असर वयस्क जीवन में मानसिक और शारीरिक बीमारियों के रूप में प्रकट होता है।

इसी संबंध में अमेरिका की पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ साइंस के जरनल में एक स्टडी छपी है, अवसाद, एंग्जायटी और डिप्रेशन के शिकार माता-पिता के बच्चों में मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर डेवलप होने की संभावना ज्यादा होती है।

इस नई स्टडी में प्रो. ब्रॉफी और उनके सहयोगियों ने डेटा को एक जगह इकट्ठा करके उसका विश्लेषण करने की कोशिश की है। वर्ष 2019 में वेल्श सरकार की फंडिंग से यह अध्ययन किया गया और इसका डेटा को एक जगह एकत्रिक किया गया, जिसे सिक्योर एनॉनिमाइज्ड इंफॉर्मेशन लिंकेज का नाम दिया गया। इस अध्ययन में वेल्श (यूके) में 1987 से 2018 के बीच पैदा हुए बच्चों के मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य, एकेडमिक परफॉर्मेंस, बीमारियों, इमोशनल, सोशल व्यवहार आदि का अध्ययन किया गया। सिर्फ बच्चे ही नहीं, बल्कि बच्चों के साथ-साथ माता-पिता की भी सामाजिक, आर्थिक, मानसिक, भावनात्मक स्थिति, उनके सोशल और इमोशनल पैटर्न, हेल्थ, इलनेस, बीमारियों आदि को अध्ययन में शामिल किया गया। यह अध्ययन इस बात को समझने की कोशिश थी कि

क्या माता-पिता का डिप्रेशन, मेंटल हेल्थ, सोशल बिहेवियर पैटर्न बच्चों में भी स्थानांतरित होता है। वेल्श की जनसंख्या इस वक्त 30 लाख 60 हजार के आसपास है और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की संख्या 8 लाख के आसपास है। इस आंकड़े के मुताबिक वेल्श स्टडी का सैंपल साइज अच्छा-खासा था।

उसी वेल्श स्टडी के वृहत्तर आंकड़ों के अध्ययन पर आधारित ये नतीजे पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ साइंस के जरनल में प्रकाशित हुए हैं। ये सारे अध्ययन साइंटिफिक स्टडी के उसी सिलसिले को आगे बढ़ाने की कोशिश हैं, जिसकी शुरुआत 19वीं सदी की शुरुआत में डॉ. जॉन बॉल्बी ने की, जिन्होंने सबसे पहली बार अटैचमेंट डिसऑर्डर टर्म का इस्तेमाल किया और बच्चे के मानसिक विकास से संबंधित एक नई थियरी विकसित की, जिसका नाम था- अटैचमेंट थियरी।

आज अमेरिका, यूके समेत दुनिया के तमाम विकसित देशों में हुए 1300 से ज्यादा अध्ययन इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि वयस्क जीवन में अवसाद, डिप्रेशन और क्रॉनिक मानसिक और शारीरिक बीमारियों का शिकार होने वाले अधिकांश लोगों का बचपन बहुत ट्रॉमैटिक रहा है। बचपन के बुरे अनुभव, प्यार और लगाव का अभाव या माता-पिता का अवसाद, फैमिली क्राइसिस या पैरेंट्स से अलगाव बच्चों के मेंटल डेवलपमेंट को बाधित करता है। यह भावनात्मक मसला नहीं है, बल्कि ब्रेन वायरिंग में हुए गंभीर बदलाव हैं।

मनुष्य संपूर्ण विकसित मस्तिष्क के साथ पैदा नहीं होता। मस्तिष्क का विकास अपने आसपास के वातावरण के साथ इंटरेक्शन से होता है। अगर वातावरण स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल है तो मस्तिष्क स्वस्थ ढंग से विकसित होगा और वातावरण में अवसाद, दुख, तनाव, गरीबी, असुरक्षा, डर या किसी भी अन्य प्रकार की नकारात्मकता है तो उसका सीधा असर बच्चे के मस्तिष्क के विकास पर पड़ेगा और वह पूरी तरह डेवलप नहीं हो पाएगा।

डॉ. जॉन बॉल्बी अपनी अटैचमेंट थियरी में दो तरह के अटैचमेंट की बात कहते हैं। एक तो माता-पिता या प्राइमरी केयरगिवर की अनुपस्थिति। जैसे मां की मृत्यु हो जाना या किसी भी वजह से नवजात का अपने बायलॉजिकल माता-पिता से फिजिकली अलग हो जाना और दूसरा उनके आसपास मौजूद होने के बावजूद बच्चे को वो प्यार, लगाव, सुरक्षा और खुशी न मिलना, जो उसके न सिर्फ विकास, बल्कि प्राइमरी सरवाइवल के लिए जरूरी है।

जैसे कि बच्चों में ADHD (अटेंशन डिफिसिट हायपर एक्टिविटी डिसऑर्डर) के लिए बच्चे को मेडिकेशन देना एक खतरनाक मेडिकल जजमेंट है, जिसके नतीजे खतरनाक हो सकते हैं। अगर कोई बच्चा ADHD से पीड़ित है तो इसकी वजह उसके वातावरण में है। उस कारण को ठीक किए बगैर दवाई के भरोसे बच्चे का इलाज करने की कोशिश आगे चलकर ज्यादा गंभीर मानसिक बीमारियों का कारण बन सकती है।

सुबह खाली पेट भीगे हुए चने खाने के हैरान कर देने वाले स्वास्थ्य लाभ

भीगे हुए चने में प्रोटीन, कार्बोहायड्रेट, फैट्स, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, विटामिन्स जैसे पोषक तत्व होते हैं। आइए जानें रोजाना एक मुट्ठी भीगे हुए चने खाने के फायदे...

काले चने पोषक तत्वों का एक अच्छा स्रोत माना जाता है। काले चने को आयरन का एक अच्छा स्त्रोत हैं। ये हमारे स्वास्थ्य को कई तरह से लाभ पहुंचा सकते हैं। आप नियमित रेसिपी में शामिल करने के लिए अलावा भीगे हुए चने का सेवन भी कर सकते हैं।

भीगे हुए काले चने का सेवन सुबह सबसे पहले किया जा सकता है। काले चने को रात भर के लिए भिगो दें और सुबह के समय खाएं। हर सुबह इनका सेवन करने से स्वास्थ्य को कई लाभ होंगे।

प्रोटीन और आयरन का अच्छा स्रोत : शाकाहारी लोग आमतौर पर अपने प्रोटीन सेवन को लेकर चिंतित रहते हैं। ऐसे में आप भीगे हुए काले चने का सेवन कर सकते हैं। ये प्रोटीन से भरपूर होते हैं। साथ ही अगर आप एनीमिया से पीड़ित हैं तो आपको अपने आहार में काले चने को जरूर शामिल करना चाहिए। ये आयरन से भरपूर होता है और शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को सुधारने में मदद करता है।

पाचन में सुधार करता है : भीगे हुए काले चने फाइबर से भरपूर होते हैं जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। ये आपके शरीर से सभी हानिकारक टॉक्सिन को बाहर निकालता है और आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। नियमित रूप से काले चने खाने से कब्ज और अपच जैसी पाचन संबंधी समस्याएं दूर रहती हैं।

हृदय को स्वस्थ रखता है : भीगे हुए काले चने में भरपूर मात्रा में

एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं। ये आपकी रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखते हैं। इनमें आवश्यक मिनरल भी होते हैं जो रक्त के थक्कों को बनने से रोकते हैं।

वजन घटाने में मदद करता है : एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, काले चने में फाइबर होता है जो आपको लंबे समय तक भरा रखता है और आपको अनहेल्दी स्नैक्स खाने से रोकता है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल को बनाए रखता है : काले चने में घुलनशील फाइबर होता है। ये शरीर के कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। काले चने में मौजूद आहार फाइबर आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है।

बालों के लिए फायदेमंद : काला चना आवश्यक विटामिन और मिनरल का एक अच्छा स्रोत है। ये आपके बालों के लिए बहुत फायदेमंद है। साथ ही ये प्रोटीन से भरपूर होता है जो आपके बालों के फॉलिकल्स को मजबूत रखता है और बालों को झड़ने से रोकता है। भीगे हुए काले चने का नियमित रूप से सेवन करने से बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकने में मदद मिलती है।

सोनी ने 225 मल्टीपर्पज़ स्वास्थ्य वर्करों को सौंपे नियुक्ति पत्र

चंडीगढ़. पंजाब के उप मुख्यमंत्री ओ.पी. सोनी ने आज यहां पंजाब भवन चंडीगढ़ में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में नयी भर्ती हुई मल्टीपपर्ज़ हैल्थ वर्करों (एम.पी.एच.डब्ल्यू.) (महिला) को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर श्री विकास गर्ग, सचिव स्वास्थ्य, डा अन्देश, डायरैक्टर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और डा. ओ.पी. गोजरा, डायरैक्टर स्वास्थ्य सेवाएं (प.भ.) भी उपस्थित थे।

पंजाब सरकार ने एम.पी.एच. डब्ल्यू. (महिला) के 600 पद भरने के लिए इश्तिहार जारी किया था और आज के समागम में पहले पड़ाव में 225 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिए गए और बाकी उम्मीदवारों को भी आगामी कुछ दिनों में नियुक्ति पत्र दे दिए जाएंगे।

नये भर्ती उम्मीदवारों को संबोधन करते हुये सोनी ने कहा कि बाबा फ़रीद यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ सायंसेज़, फरीदकोट के द्वारा इन नियुक्तियों का चयन पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि रोज़गार प्राप्त करना किसी भी व्यक्ति के जीवन में अविस्मरणीय पड़ाव होता है और सरकार उम्मीद करती है कि सभी नव-नियुक्त कर्मचारी अपने प्रोफाइल अनुसार ईमानदारी और मेहनत से ड्यूटी निभाएंगे जिससे आम लोगों को बढ़िया स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया हो सकें।

सोनी ने कहा, 'पंजाब सरकार कोविड-19 महामारी के दौर का बहुत समर्पित भाव से सामना किया है और यह सब स्वास्थ्य कर्मचारियों की 24 घंटे सेवाओं स्वरुप ही हो रहा है। उन्होंने बताया कि हम बड़ी संख्या में मैडीकल अफ़सरों, स्टाफ नर्सों, फार्मासिस्टों, स्वास्थ्य वर्कर, रेडीओग्राफरों, मैडीकल लैबारटरी टैकनीशियन, ईसीजी टैकनीशियन, ओटी असिस्टेंट की भर्ती कर चुके हैं और 800 से अधिक वार्ड अटैंडैंटों की भर्ती प्रक्रिया भी पूरी होने के नज़दीक है, इन सब पदों को भरकर अपनी स्वास्थ्य प्रणाली में और सुधार करेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के अलग-अलग हड़ताली मुलाजिमों से अपील करते हुये श्री सोनी ने कहा कि सरकार उनकी जायज़ माँगें मानने के लिए तैयार है। कोविड 19 के नये रूप ओमिक्रोन और तीसरी लहर के खतरे के इस संवेदनशील दौर के बीच उनको काम पर वापस आना चाहिए क्योंकि उनकी हड़ताल के कारण आम जनता को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने 10 साल की ठेके पर सेवा पूरी कर चुके 36000 मुलाजिमों की सेवाओं को रेगुलर करने के लिए बिल भी पेश किया है।

राज्य के 872 सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरियों को मिलेंगे 4,361 टेबलेट : परगट सिंह

चंडीगढ़. स्कूली शिक्षा को गुणात्मकता प्रदान करने और सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को समय का साथी बनाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा किये जा रहे विशेष प्रयासों की कड़ी में राज्य के 872 सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूलों की लाइब्रेरियों को 4361 टेबलेट देने का फ़ैसला किया गया है। यह खुलासा शिक्षा मंत्री परगट सिंह ने आज यहाँ जारी प्रैस में किया। परगट सिंह ने बताया कि शिक्षा विभाग की तरफ से टेबलेट देने के लिए 872 सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूलों को टेबलेट देने के लिए चुना गया है। सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी को हाईटेक बनाने के मकसद से स्कूल पाँच टेबलेट दिए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि विभाग की तरफ से टैबलेटों में ई -कंटैंट से सबंधित ऐपज़ भी इंस्टाल करके दी जा रही हैं और संबंधित स्कूलों को ई-कंटैंट चालू हालत में रखना यकीनी बनाने की हिदायत की गई है।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि विभाग की तरफ से टेबलेट के विरतण सम्बन्धित समूह ज़िला शिक्षा अफ़सरों (सेकंडरी शिक्षा) को स्टाक की ज़िला स्तर पर प्राप्ति, वितरण, रिकार्ड और सुरक्षा सम्बन्धी हिदायतें जारी की हैं जिस अनुसार समूह ज़िला शिक्षा अफ़सर और ज़िला नोडल अफ़सर अपने अधीन प्राप्त स्टाक की कार्य सामर्थ्य की जांच करेंगे। किसी भी तकनीकी ख़राबी की सूरत में विभाग की तरफ से सर्विस सेंटरों की सूची भी जारी की गई है। विभाग की तरफ से जल्द ही स्कूलों को टेबलेट के प्रयोग सम्बन्धी हिदायतें जारी की जाएंगी।

केंद्रीय जेल कपूरथला से 'संकल्प' प्राजैक्ट शुरू

• राज्य की 8 जेलों में 530 बंदियों को दी जायेगी कौशल विकास की सिखलाई

कपूरथला. पंजाब सरकार की तरफ से जेलों में कैदियों के जीवन में सुधार के लिए आज केंद्रीय जेल कपूरथला से 'संकल्प ' प्राजैक्ट की शुरुआत की गई है, जिसके अंतर्गत राज्य की 8 जेलों में 530 कैदियों को अलग -अलग पेशों का प्रशिक्षण दे कर कौशल बनाया जाएगा। इस प्राजैक्ट की शुरुआत राज्य के तकनीकी शिक्षा, रोज़गार उत्पति और बाग़बानी मंत्री पंजाब राणा गुरजीत सिंह ने की।

पहले दौर में अमृतसर, फ़िरोज़पुर, कपूरथला, फरीदकोट, बठिंडा, नाभा और पटियाला और लुधियाना (वूमैन जेल) में कैदियों को 400 घंटो के पाठ्यक्रम करवाए जाएंगे जिसके अंतर्गत उनको राज मिस्त्री, कारपेंटर, ब्यूटी थेरेपिस्ट, मैसन, पेंटर, हैलपर, इलैकट्रीशन और प्लम्बर के कोर्स करवाए जाएंगे। कोरस पूरा करने उपरांत योग्यता अनुसार उनको जेल में ही रोज़गार दिया जायेगा। कैबिनेट मंत्री राणा गुरजीत सिंह ने महिला कैदियों के लिए सहायक ब्यूटी थेरेपिस्ट कोर्स की शुरुआत भी करवाई। उन्होंने कैदियों को न्योता दिया कि वह पंजाब सरकार की तरफ से उनके कौशल विकास के लिए शुरू किये कोर्स का लाभ ले कर एक नई ज़िंदगी की शुरुआत करे। इस अवसर पर रूप कुमार अरोड़ा आई.जी. जेल, सुखमिन्दर सिंह मान डी.आई.जी. जेल, अमनीत कौंडल डी.आई.जी. जेल, ऐस.ऐस.पी. हरकमलप्रीत सिंह खख, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर विकास एस पी आंगरा, अनुराग कुमार सुपरडैंट, ऐस.पी. जसबीर सिंह, कांग्रेसी नेता अमनदीप सिंह गोरा गिल, काऊंसलर नरिन्दर मनसू और दीपक सलवान भी मौजूद थे।

जरूरी सूचना

जालंधर. *दिनांक 7 दिसंबर 2021 को हरदीप सिंह पुत्र ज्ञान सिंह, निवासी करोल बाग, मकान नंबर 619, नजदीक लद्देवाली गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी कैंपस जालंधर जो पुलिस विभाग में कार्यरत हैं, ने बताया कि मकान नंबर 619, करोल बाग, लद्देवाली के नजदीक गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी कैंपस से ओरीजनल रजिस्ट्री किंग सिटी प्लाट नंबर 121, रकबा 12 मरले 96 वर्ग फुट गांव ढड्डा हदबसत नंबर 216, तहसील जालंधर-1 से जरूरी दस्तावेज को एक लिफाफे में डालकर मोटर साइकल से अपने दफ्तर आ रहे थे। दफ्तर पहुंचे तो उन्होंने पाया कि उनका दस्तावेज वाला लिफाफा कहीं रास्ते में गिर गया है। उसके बाद उन्होंने इसकी हर मुमकिन तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। अगर किसी सज्जन को उक्त दस्तावेज वाला लिफाफा मिलता है तो कृप्या मोबाइल नंबर 94632-83068 पर संपर्क करने की कृपा करें।*

झूठे वादों से तंग प्रदेश वासी इस बार सिखाएंगे कांग्रेस को सबक : राठौर

मोदी द्वारा देश हित में किए जा रहे कामों को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया बैठक का आयोजन

जालंधर. आज जालंधर शहर के पूर्व मेयर एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश राठौर द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश हित में किए जा रहे कामों को हर व्यक्ति तक पहुंचाने के और आने वाले 2022 के चुनावों के उद्देश्य लेकर एक बैठक का आयोजन स्थानीय (सईपुर रोड मार्केट एसोसिएशन) द्वारा अशोक सेठ (लकी) और लाडी (पंजा) के सहयोग से किया गया। इस बैठक में स्थानीय लोगों द्वारा भरपूर प्यार और सहयोग मिला। इस बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मेयर एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश राठौर ने आने वाले 2022 के विधानसभा चुनावों को लेकर गणमान्य लोगों के साथ बैठक कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे देशहित के कार्यो के प्रति लोगों को जागरूक किया। राकेश राठौर ने कहा कि आज भारत देश हर क्षेत्र हर मुकाम पर आत्मनिर्भर होने की दिशा में सभी क्षेत्रों में तेजी से अग्रसर हो रहा है।आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था को बहुत ज्यादा मजबूती मिली है।

राकेश राठौर ने कहा कि देश में पिछले 70 वर्षो में जितने भी पुराने और उलझे हुए मुद्दे थे।जैसे कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 और 35A खत्म करना,अयोध्या में भगवान श्री राम जी,के मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ करना,श्री करतारपुर साहिब कॉरीडोर,का रास्ता खुलवाना,1984 के दंगाइयों को सजा दिलवाना, प्रधानमंत्री आवास योजना, के तहत गरीब लोगों को घर देना उज्जवला योजना, के तहत गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन, स्वच्छ भारत अभियान, के तहत गरीब परिवारों के घरों में शौचालयों का निर्माण,करोना काल, में जनधन खातों के माध्यम से देश के गरीब लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान करना देश के 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करवाना,श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन सवरूपों को अफगानिस्तान से भारत सुरक्षित लाना ऐसे अनेक कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा पूरे देश की जनता की भलाई के लिए किए गए हैं जिसके लिए हम सभी भारतवासी उनके आभारी हैं। राठौर ने कहा कि आज जिस तरह पूरे देश में विकास की रफ्तार अपनी पूरी गति पकड़ चुकी है। पिछले नेतृत्व के नेताओं ने कसमें खाकर जो पूरे प्रदेश में घर घर नौकरी,युवाओं को मोबाइल फोन,बेरोजगारी,खत्म करने एवं प्रदेश में चार हफ्तों में नशा खत्म करने की कसमें खाई थी। वह सभी झूठी साबित हुई है यही सब कुछ प्रदेश की मौजूदा कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी कर रहे हैं। जो लोगों को झूठ के सब्जबाग दिखाकर वोट बटोरने की कोशिश में लगे हुए हैं पर पंजाब के लोग इस बार कांग्रेस के झूठे वादों से तंग आकर उन्हें 2022 के विधानसभा चुनावों में अच्छा सबक सिखाएंगे।

बैठक में मुख्य रुप से उपस्थित भाजपा जिला जालंधर के पूर्व अध्यक्ष रमन पब्बी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा, सनी शर्मा, जिला सचिव मनीष विज, अजय चोपड़ा, कपिल अरोड़ा, रूपिंदर सिंह मक्कड़, भगवान सिंह, अरविंदर भोगल, विक्की, विनय कुमार, अमित भाटिया, तजिंदर कुमार, विजय कुमार, सुरिंदर सिंह, सुखदेव सिंह, रवि वालिया, गुलशन ढंड, सौरव पूरी, दीपक भाटिया, भूपिंदर खुल्लर, प्रणव भाटिया, बंटी, कुलविंदर सिंह, हरजीत सिंह व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वोटर सूचियों संबंधी प्राप्त दावे और ऐतराज़ों का निपटारा 20 तक करने के आदेश

जालंधर. विधान सभा मतदान -2022 के मद्देनज़र वोटर सूचियों की स्पैशल समरी रिवीज़न और चुनाव प्रक्रिया को सभ्यक ढंग के साथ पूरा करने के लिए डिविज़नल कमिश्नर -कम -रोल आबजर्वर जालंधर वी.के.मीना की तरफ से जालंधर डिविज़न के सभी डिप्टी कमिश्नरों के साथ समीक्षा बैठक की गई।

बैठक दौरान रोल आबजर्वर की तरफ से दूसरे पड़ाव की सुपर चैकिंग के मंतव्य के साथ ज़िला चुनाव अधिकारी के लाग-इन में आए फार्मों में से 50 प्रतिशत फार्मों की सुपर चैकिंग की कार्यवाही की गई और जिन फार्मों में तरुट्टियें पाई गई, उनको दूर करने के लिए सम्बन्धित ई.आर.ओज़ को वापस भेजने के लिए संबंधित डिप्टी कमिशनरों को अदेश दिए गए। उन्होंने भविष्य में आनलाइन फार्मों को ठीक तरीको से भरवाने के लिए बी.ऐल.ओज़ और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण करवाने के लिए भी कहा। इसके इलावा उन्होंने रिवीज़न दौरान प्राप्त हुए दावो और ऐतराज़ों का निपटारा निर्धारित तारीख़ 20 दिसंबर तक करने के लिए आदेश भी दिए। बैठक में डीसी जालंधर घनशयाम थोरी, डीसी अमृतसर गुरप्रीत सिंह खेहरा, डीसी गुरदासपुर मुहम्मद इशफाक, डीसी पठानकोट सईअम अग्रवाल, डीसी तरनतारन कुलवंत सिंह, डीसी होशियारपुर अपनीत रियात, एडीसी कपूरथला अदित्या उप्पल के इलावा चुनाव तहसीलदार जालंधर सुखदेव सिंह, चुनाव तहसीलदार पठानकोट सरबजीत सिंह, चुनाव कानूनगो रकेश कुमार, दिलबाग सिंह और योगेश कुमार मौजूद थे।

चुनाव आयोग के आदेशों पर ज़िला निगरान समिति गठित

जालंधर. ज़िले में सभी वोटरों की सक्रिय और रचनात्मिक भागीदारी को यकीनी बनाने के लिए डिस्ट्रिक्ट मोनिटरिंग समिति आन एकसैसिबल इलैक्शन्ज (डी.एम.सी.ए.ई.) का गठन किया गया है। डिप्टी कमिश्नर -कम -ज़िला चुनाव अधिकारी, जो कि इस समिति के चेयरमैन भी है, के नेतृत्व में समिति की तरफ से हर पन्दरवाड़े बैठक करके जिले में पहुंचयोग और सुविधाजनक चुनाव प्रयत्नों की निगरानी की जाएगी और विधान सभा हलकों में यदि कोई कमियां है, तो उनको समय पर सुधारे जाने के लिए वाजिब उपाय किये जाएंगे। समिति की तरफ से जिले भर में 100 प्रतिशत इनरोलमैंट और पी.डब्लयू.डी. (परसनज़ विद डिसअबिलटीज़) वोटरों की भागीदारी के मद्देनज़र अलग -अलग गतिविधियां भी की जाएंगी, जिनमें सभी पोलिंग स्टेशनों पर व्हीलचेयरों की सुविधा, पी.डब्लयू.डी. वोटरों की मदद के लिए बूथ वलंटियरों की तैनाती, ब्रेल बैलट फैंक की सुविधा, हेल्प डैस्क, समझने में आसान (तस्वीरों वाले पोस्टर), संकेत और तरजीही कतार, सभी पोलिंग स्टेशनें पर रैंप, पीने वाले पानी और शौचालय की सुविधा के इलावा चयन वाले दिन पीक एंड ड्राप ट्रांसपोर्ट सुविधा के इलावा पी.डब्लयू.डी. वोटरों के लिए वाहनों की सुविधा को यकीनी बनाना शामिल है।

डिप्टी कमिश्नर-कम-ज़िला चुनाव अधिकारी घनश्याम थोरी ने बताया कि समिति की तरफ से इस सम्बन्धित फील्ड इंजीनियरों, बी.एल.ओज़, पोलिंग अधिकारियों, बूथ वलंटियरों, राजनीतिक पार्टियों के एजेंटों और पुलिस फोर्स के साथ प्रशिक्षण सैशन भी करवाया जायेगा। जिले में विशेष ज़रूरतों वाले व्यक्तियों की बेहतरी के लिए काम कर रही संस्थानों के सहयोग के साथ दिव्यांग व्यक्तियों को जागरूक करने के लिए अलग -अलग मंचों पर एक विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। थोरी ने कहा कि सभी मतदाता रजिस्ट्रेशन अफ़सरों को तुरंत प्रभाव के साथ विधान सभा चयन क्षेत्र लागूकरन समितियों का गठन करन के लिए पहल ही निरदेश दिए जा चुके हैं, जिन की तरफ से तैयारियों का जायज़ा लेने के लिए और समस्याएँ /कमियों का हल करन के लिए समूचे पोलिंग स्टेशनों का सर्वेक्षण किया जायेगा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया की हुई घोषणा, रोहित होंगे वनडे के कप्तान, कोहली को हटाया

बीसीसीआई ने तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान, टी-20 वर्ल्डकप के बाद टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने छोड़ दी थी टी-20 की कप्तानी

रोहित शर्मा भारत के नए वनडे कैप्टन होंगे। ऑल इंडिया सीनियर सेलेक्शन कमिटी ने रोहित शर्मा को वनडे और टी-20 टीम का कैप्टन बनाने का फैसला लिया है। बता दें कि टी-20 वर्ल्डकप के बाद भारत के टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने टी-20 की कप्तानी छोड़ दी थी और उनकी जगह रोहित को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब विराट कोहली से वनडे की कप्तानी भी ले ली गई है। विराट की जगह अब रोहित शर्मा भारत के वनडे कप्तान होंगे। कोहली ने करीब 3 महीने पहले ही टी20 विश्व कप के बाद इस फॉर्मेट में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। हालांकि, तब कोहली ने अपने बयान में कहा था कि वह टेस्ट और वनडे में टीम की कप्तानी पर ज्यादा ध्यान देने के लिए ये फैसला ले रहे हैं. टी20 विश्व कप में टीम इंडिया ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई थी. उसके बाद रोहित शर्मा को टी20 कप्तान नियुक्त किया गया था. अब बीसीसीआई ने कोहली की ख्वाहिश और उम्मीदों को झटका देते हुए रोहित को कप्तान बनाने का फैसला किया है। वहीं, साउथ अफ्रीका दौरे

के लिए टीम इंडिया की घोषणा हो चुकी है। विराट कोहली को टेस्ट टीम की कमान मिली है। रोहित शर्मा को वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। रोहित शर्मा को टेस्ट टीम का उप-कप्तान भी बनाया गया है। अजिंक्य रहाणे को टेस्ट टीम की उप-कप्तानी से हटा दिया गया है, इसलिए उनकी जगह रोहित उप-कप्तान होंगे।

बीसीसीआई ने तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है, जिसमें रविंद्र जडेजा, स्पिनर अक्षर पटेल और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल फिटनेस समस्याओं के कारण नहीं है. हनुमा विहारी ने टीम में वापसी की है, जबकि खराब फॉर्म के बावजूद तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा टीम में हैं।

टीम इंडिया की टेस्ट टीम : विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उप-कप्तान), केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत, रिधिमान साहा, आर अश्विन, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, जसप्रीत बुमराह, शारदुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज.

स्टैंडबाय : नवदीप सैनी, सौरभ कुमार, दीपक चाहर, अर्जन नागवासवाला।

विजय इंदर सिंगला ने किया शहीद किसान स्मारक का उदघाटन

चंडीगढ़/संगरूर. श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के शहादत दिवस के मौके पर गुरू जी की महान शहादत के प्रति नतमस्तक होते हुए पंजाब के लोक निर्माण मंत्री श्री विजय इंदर सिंगला ने संगरूर में शहीद किसान स्मारक 'यादगार-ए-शहीदों' का उद्घाटन किया। इस स्मारक में किसान आंदोलन के दौरान शहीद होने वाले संगरूर ज़िले के किसानों और मज़दूरों के नाम लिखे गए हैं। सिंगला ने गुरू जी की महान देन को याद करते हये कहा कि हिंद दी चादर श्री गुरु तेग़ बहादुर साहब जी ने धर्म की रक्षा के लिए अपना महान बलिदान दिया और उनके द्वारा दिखाऐ हक और सत्य के मार्ग पर चलते हुये हमारे किसान और मज़दूर भाइयों ने केंद्र की मोदी सरकार की किसान विरोधी नीतियों के ख़िलाफ़ एकजुटता से टक्कर ली और जान के बलिदान देने में भी पीछे न हटने का हौसला दिखा कर इतिहास रच दिया है।

स्मारक का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि इस किसान आंदोलन में पंजाब के सभी वर्गों ने बढ़ चढ़ कर योगदान डाला है चाहे वह किसान थे या मज़दूर या फिर कोई दुकानदार। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन पंजाबियत की सच्ची नुमायंदगी करता है जहाँ लोग किसी नेक मकसद के लिए पर मिलकर लड़े। लोक निर्माण मंत्री ने यह भी कहा इस ऐतिहासिक आंदोलन में 700 से अधिक शहीद हुए हैं और हमारे पंजाब में शहादतों को मनाने का दस्तूर है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.